

**जामिया ने बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया 103वां स्थापना दिवस
-अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को 'इम्तियाज-ए-जामिया' से किया सम्मानित**

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने अपने अस्तित्व के 103 वर्ष पूरे कर लिए और विश्वविद्यालय ने आज अपना स्थापना दिवस बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया। स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत जामिया की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर (पद्मश्री), समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. शिव कुमार सरीन (पद्मश्री), इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलीरी साइंसेज (आईएलबीएस) के संस्थापक और निदेशक और अभिनेत्री सुश्री शर्मिला टैगोर (पद्म विभूषण) को डॉ. एम.ए. अंसारी सभागार के प्रांगण में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेटों द्वारा को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुई। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद उनके द्वारा जामिया का झंडा फहराया गया और विश्वविद्यालय की संगीत टीम द्वारा जामिया परचम गीत गाया गया। विश्वविद्यालय के हाल ही में निर्मित शताब्दी द्वार का उद्घाटन कुलपति एवं सम्मानित अतिथियों द्वारा किया गया। स्थापना दिवस के मौके पर विश्वविद्यालय में उत्सव जैसा माहौल रहा।

सुश्री शर्मिला टैगोर को विश्वविद्यालय के पूरी तरह से खचाखच भरे डॉ. एम.ए. अंसारी सभागार में शानदार समारोह में 'इम्तियाज-ए-जामिया' (जामिया का सर्वोच्च मानद पुरस्कार) से सम्मानित किया गया। जामिया तराना और जामिया रक्स कुना गीत विश्वविद्यालय की तराना टीम द्वारा गाए गए। इस अवसर पर जामिया के कुलपति, मुख्य अतिथि और सुश्री शर्मिला टैगोर ने सभा को संबोधित किया।

कुलपति ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, "यह हमारे लिए एक महान क्षण है कि विश्वविद्यालय ने अपने अस्तित्व के 103 वर्ष पूरे कर लिए हैं और डॉ. सरीन और सुश्री शर्मिला टैगोर जैसे सम्मानित अतिथियों की विशेष और यादगार उपस्थिति ने इस दिन को और भी शानदार बना दिया है।" वे अपनी उपलब्धियों और अच्छे कार्यों से लोगों को प्रेरित करते रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि जामिया के साथ उनके जुड़ाव से विश्वविद्यालय को बहुत लाभ होगा। विश्वविद्यालय उनके साथ अलग-अलग तरीकों से जुड़ना चाहेगा और उनके अनुभव और सलाह का उपयोग अपनी बेहतरी के लिए करना चाहेगा।" प्रोफेसर अख्तर ने पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जैसे नैक से AAAA++ ग्रेड हासिल करना, एनआईआरएफ रैंकिंग में लगातार दूसरे वर्ष तीसरी रैंक, प्रतिष्ठित पीएमआरएफ फैलोशिप के लिए कई जामिया शोधकर्ताओं का चयन, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी को दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में छब्बीस जामिया वैज्ञानिकों को शामिल करना और अन्य बातों के अलावा सरकार द्वारा विश्वविद्यालय में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए मंजूरी प्राप्त करना।

सुश्री शर्मिला टैगोर को 'इम्तियाज-ए-जामिया' प्रदान करने से पहले उनकी यात्रा पर एक स्लाइड-शो दिखाया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद, सुश्री शर्मिला टैगोर ने दर्शकों को संबोधित किया और कहा, "विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस कार्यक्रम बहुत शानदार ढंग से आयोजित किया गया है और यह उनके लिए बहुत भावनात्मक क्षण है। उन्होंने कहा, "मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि जामिया आज कहां है और रैंकिंग में इतना अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और यह बाहर कैसे जाना जाता है। यह अद्भुत

है।" मैं कुलपति को सभी उपलब्धियों के लिए बधाई देती हूँ। मैं अपनी कॉलेज की पढ़ाई पूरी नहीं कर सकी, मैंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत बहुत पहले ही कर दी थी। यह सर्वोच्च सम्मान है और मैं बहुत विनम्र हूँ... यह अविश्वसनीय है, मेरे पास यह बताने के लिए शब्द नहीं हैं कि मैं इसके बारे में कैसा महसूस कर रही हूँ। यह बहुत बड़ा सम्मान है।"

सुश्री टैगोर ने आगे कहा, "जेएमआई के साथ एक पारिवारिक संबंध रहा है क्योंकि मेरे पति के परिवार ने विश्वविद्यालय को जमीन दान की थी और वहां एक अद्भुत खेल परिसर बनाया गया है और सभी क्रिकेटर्स के अनुसार, यह सबसे अच्छे क्रिकेट मैदानों में से एक है। मैं बतौर सलाहकार एजेके-मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर (एमसीआरसी) से जुड़ी रही हूँ और मैं किसी भी तरह विश्वविद्यालय के साथ विशेष रूप से एमसीआरसी में जुड़ना चाहती हूँ क्योंकि यह मेरा क्षेत्र है और मुझे लगता है कि मैं इसमें योगदान दे सकती हूँ।

मुख्य अतिथि डॉ. सरीन ने कहा, "मैं भाग्यशाली हूँ कि मैं जामिया के इतने शानदार स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुआ और मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं कुलपति प्रो. नजमा अख्तर का आभारी हूँ। मैं यहां मिले प्यार और स्नेह से अभिभूत हूँ और मैं विशेष रूप से गार्ड ऑफ ऑनर और एनसीसी कैडेटों के बैंड प्रदर्शन से प्रभावित हुआ। नवनिर्मित शताब्दी द्वार भव्य है और कुलपति की दूरदर्शिता को दर्शाता है। जामिया एक ऐतिहासिक संस्था है और इसका देश में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। मैं आशा करता हूँ कि यहां के लोग स्वस्थ रहें और मेडिकल कॉलेज की स्थापना समय की मांग है। मैं उस दिशा में सभी आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हूँ।

स्थापना दिवस समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति, शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे। मुख्य समारोह जामिया के प्रो-वाइस चांसलर प्रोफेसर इकबाल हुसैन के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन जामिया की छात्र कल्याण डीन प्रोफेसर सीमी फरहत बसीर ने किया।

जामिया स्कूलों द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें तमसीली मुशायरा, कव्वाली, बिहू नृत्य, राजस्थानी लोक नृत्य, गीतों पर नृत्य प्रदर्शन, नाटक, गज़ल, समूह नृत्य और अन्य प्रदर्शन शामिल थे। विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा एक स्वागत गीत (शास्त्रीय नृत्य) और नुक्कड़ नाटक (जेंडर चैंपियन) प्रस्तुत किया गया। शाम को विश्वविद्यालय के ड्रामा क्लब द्वारा 'आगरा बाजार' नामक एक मंच-नाटक प्रस्तुत किया गया।

27 अक्टूबर को शुरू हुआ 103वां स्थापना दिवस का पांच दिवसीय उत्सव 31 अक्टूबर 2023 को डॉ. एम.ए. अंसारी ऑडिटोरियम, जामिया के प्रांगण में ध्वज अवतरण समारोह के साथ समाप्त होगा।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया